हिंदी साहित्य चैनल

संस्करण 2026-27

उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) हिंदी परीक्षा हेतु

UP TGT हिंदी

मॉक टेस्ट पेपर सेट

10
पूर्ण मॉक टेस्ट पेपर

1000
नए, उच्च-स्तरीय प्रश्न

100%
उत्तरों की व्याख्या

नवीनतम पाठ्यक्रम और पिछले वर्षों के पैटर्न पर आधारित — हर पेपर में 20% सीधे, 40% मध्यम-कठिन और 40% कठिन प्रश्न

- ✓ हर प्रश्न का उत्तर और व्याख्या
- ✓ असली परीक्षा जैसी OMR शीट
- ✓ कथन, सुमेलन, कालक्रम, अभिकथन-कारण
- ✓ विवादित तथ्यों से मुक्त प्रश्न

खंड : हिंदी साहित्य का इतिहास • गद्य साहित्य • काव्यशास्त्र • भाषा और देवनागरी • व्याकरण • संस्कृत साहित्य



केवल कृष्ण घोड़ेला
एम.ए., बी.एड. (नेट हिंदी) • सहायक आचार्य
संचालक : हिंदी साहित्य चैनल, श्रीगंगानगर

store.hindisahity.com

YouTube : Hindi Sahitya Channel

लेखक परिचय



केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड. (नेट हिंदी) · सहायक आचार्य · श्रीगंगानगर (राजस्थान)

हिंदी साहित्य चैनल के संचालक। UGC NET/JRF, SET, TGT, PGT, RPSC आदि परीक्षाओं के लिए वर्षों से हिंदी पढ़ा रहे हैं।

hindisahity.com · store.hindisahity.com · YouTube : Hindi Sahitya Channel · Telegram

© सर्वाधिकार सुरक्षित (All Rights Reserved)

लेखक एवं संकलनकर्ता : केवल कृष्ण घोड़ेला · प्रस्तुति एवं प्रकाशन : हिंदी साहित्य चैनल, श्रीगंगानगर · संस्करण : 2026-27

यह ई-बुक (मॉक टेस्ट पेपर सेट) केवल कृष्ण घोड़ेला द्वारा तैयार की गई है और हिंदी साहित्य चैनल (store.hindisahity.com) द्वारा प्रकाशित है। इसके प्रश्न, विकल्प, तालिकाएँ और व्याख्याएँ लेखक की बौद्धिक संपदा हैं, जो प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 के अंतर्गत सुरक्षित हैं।

यह PDF केवल ख़रीदार के व्यक्तिगत अध्ययन के लिए है। लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसे या इसके किसी अंश को कॉपी, प्रिंट या फ़ोटोकॉपी करके बेचना या बाँटना; WhatsApp, Telegram, Facebook आदि किसी ग्रुप या चैनल में साझा करना; किसी वेबसाइट, ऐप, YouTube वीडियो या कोचिंग सामग्री में उपयोग करना पूर्णतः वर्जित है। ऐसा करने पर कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

अस्वीकरण : प्रश्न-पत्र तैयार करने में पूरी सावधानी बरती गई है; जिन तथ्यों पर विद्वानों में मतभेद है, उन पर प्रश्न नहीं रखे गए हैं। फिर भी किसी त्रुटि के लिए लेखक या प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। आधिकारिक जानकारी के लिए संबंधित आयोग की अधिसूचना देखें। कोई त्रुटि मिले तो WhatsApp 9680260474 पर बताएँ, अगले संस्करण में सुधार किया जाएगा।

इस ई-बुक में क्या-क्या है

10 पूर्ण मॉक टेस्ट पेपर • 1000 प्रश्न • हर पेपर के साथ OMR उत्तर-पत्रक, उत्तर-कुंजी और हर प्रश्न की व्याख्या

यह नमूना (डेमो) PDF है : इसमें केवल मॉक टेस्ट पेपर – 1 पूरा दिया गया है। नीचे दी गई पृष्ठ-संख्याएँ पूरी ई-बुक की हैं।

क्रम	मॉक टेस्ट पेपर	प्रश्न	पृष्ठ (से – तक)
1	मॉक टेस्ट पेपर – 1 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	4 – 21
2	मॉक टेस्ट पेपर – 2 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	22 – 38
3	मॉक टेस्ट पेपर – 3 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	39 – 55
4	मॉक टेस्ट पेपर – 4 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	56 – 72
5	मॉक टेस्ट पेपर – 5 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	73 – 88
6	मॉक टेस्ट पेपर – 6 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	89 – 104
7	मॉक टेस्ट पेपर – 7 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	105 – 119
8	मॉक टेस्ट पेपर – 8 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	120 – 135
9	मॉक टेस्ट पेपर – 9 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	136 – 151
10	मॉक टेस्ट पेपर – 10 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	152 – 167
	अन्य उपयोगी नोट्स (अंतिम पृष्ठ)		168

हर पेपर में खंड-वार प्रश्न

खंड और विषय	प्रश्न-संख्या	प्रश्न
खंड-क : हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)	1–36	36
खंड-ख : हिंदी गद्य साहित्य का विकास	37–54	18
खंड-ग : काव्यशास्त्र (रस, छंद, अलंकार, गुण-दोष)	55–64	10
खंड-घ : हिंदी भाषा, बोलियाँ और देवनागरी	65–70	6
खंड-ङ : हिंदी व्याकरण	71–92	22
खंड-च : संस्कृत साहित्य और व्याकरण	93–100	8

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- हर पेपर में 100 प्रश्न हैं · सुझाया गया समय : 2 घंटे · प्रत्येक सही उत्तर : 1 अंक।
- हर प्रश्न के चार विकल्प (क), (ख), (ग), (घ) हैं; केवल एक विकल्प सही है।
- कठिनाई का स्तर (हर पेपर में) : 20% सीधे, 40% मध्यम-कठिन और 40% कठिन/बहुत कठिन प्रश्न। कथन, सुमेलन, अभिकथन-कारण और कालक्रम वाले प्रश्न अधिक हैं।
- जिन तथ्यों पर विद्वानों में मतभेद है, उन पर प्रश्न नहीं बनाए गए हैं; दसों पेपरों में प्रश्न दोहराए नहीं गए हैं।
- हर पेपर समय बाँधकर हल कीजिए, उसके बाद दिए OMR उत्तर-पत्रक में उत्तर भरिए; फिर उत्तर-कुंजी से मिलाकर गलत प्रश्नों की व्याख्या पढ़िए।

उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) हिंदी परीक्षा हेतु

UP TGT हिंदी

मॉक टेस्ट पेपर – 1

नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित 100 उच्च-स्तरीय प्रश्न

100 प्रश्न 6 खंडों में बँटे हुए	**उत्तर-कुंजी** हर प्रश्न की व्याख्या	**OMR उत्तर-पत्रक** असली परीक्षा जैसा अभ्यास
नए पैटर्न के प्रश्न कथन, सुमेलन, कालक्रम	**कठिनाई का स्तर** 20% सीधे • 40% मध्यम • 40% कठिन	**प्रामाणिक तथ्य** विवादित तथ्यों से मुक्त

खंड

हिंदी साहित्य का इतिहास • गद्य साहित्य • काव्यशास्त्र
हिंदी भाषा और देवनागरी • व्याकरण • संस्कृत साहित्य



लेखक

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड. (नेट हिंदी)
सहायक आचार्य, श्रीगंगानगर (राजस्थान)
संचालक : हिंदी साहित्य चैनल

संस्करण 2026-27

store.hindisahity.com

प्रश्न-पत्र (पेपर – 1)

खंड-क : हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)

1. सूची-I (जैन रास-रचना) को सूची-II (रचनाकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (रचना)	सूची-II (रचनाकार)
(A) भरतेश्वर बाहुबली रास	(1) विजयसेन सूरि
(B) स्थूलिभद्र रास	(2) सुमति गणि
(C) रेवंतगिरि रास	(3) शालिभद्र सूरि
(D) नेमिनाथ रास	(4) जिनधर्म सूरि

कूट :

(क) A-3, B-2, C-4, D-1 (ख) A-3, B-2, C-1, D-4
(ग) A-3, B-4, C-1, D-2 (घ) A-3, B-1, C-4, D-2

2. विद्यापति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. 'कीर्तिलता' की भाषा अवहट्ट है।
II. 'पदावली' की भाषा मैथिली है।
III. 'पुरुष परीक्षा' संस्कृत में रचित है।
IV. उन्हें 'अभिनव जयदेव' और 'मैथिल कोकिल' कहा गया।
उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिए :

(क) केवल I और II
(ख) केवल I, II और III
(ग) केवल II, III और IV
(घ) I, II, III और IV

3. 'गोरखबानी' नाम से गोरखनाथ की रचनाओं का संपादन किसने किया?

(क) राहुल सांकृत्यायन
(ख) रामचंद्र शुक्ल
(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(घ) पीतांबरदत्त बड़थ्वाल

4. निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : सिद्धों की भाषा को 'संधा भाषा' (संध्या भाषा) कहा गया है।
कारण (R) : सिद्धों की वाणी में अर्थ के दो स्तर रहते थे – एक बाहरी, लोक-सुलभ अर्थ और दूसरा भीतरी, साधनापरक गूढ़ अर्थ।
सही उत्तर चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

5. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन से जुड़े निम्नलिखित ग्रंथों/प्रयासों को प्रकाशन के कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) ग्रियर्सन का 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान'
(B) शिवसिंह सेंगर का 'शिवसिंह सरोज'
(C) मिश्रबंधु विनोद
(D) गार्सा द तासी का 'इस्त्वार द ला लितेरात्यूर ऐंदुई ए ऐंदुस्तानी'
सही क्रम चुनिए :

(क) D, A, B, C (ख) C, B, A, D
(ग) D, B, C, A (घ) D, B, A, C

6. सूची-I (आदिकाल का नाम) को सूची-II (नामकरण करने वाले विद्वान) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (नाम)	सूची-II (विद्वान)
(A) बीजवपन काल	(1) मिश्रबंधु
(B) सिद्ध-सामंत काल	(2) महावीरप्रसाद द्विवेदी
(C) आरंभिक काल	(3) राहुल सांकृत्यायन
(D) चारण काल	(4) जॉर्ज ग्रियर्सन

कूट :

(क) A-2, B-3, C-1, D-4 (ख) A-2, B-4, C-1, D-3
(ग) A-1, B-3, C-2, D-4 (घ) A-3, B-2, C-1, D-4

7. सूची-I (सूफी कवि) को सूची-II (प्रेमाख्यान) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (कवि)	सूची-II (रचना)
(A) कुतुबन	(1) चित्रावली
(B) मंझन	(2) इंद्रावती
(C) उसमान	(3) मृगावती
(D) नूर मुहम्मद	(4) मधुमालती

कूट :

(क) A-3, B-4, C-2, D-1 (ख) A-1, B-4, C-3, D-2
(ग) A-3, B-4, C-1, D-2 (घ) A-3, B-1, C-2, D-4

8. मलिक मुहम्मद जायसी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. 'पद्मावत' की भाषा अवधी है।
II. 'पद्मावत' दोहा-चौपाई शैली में रचित है।
III. 'अखरावट' और 'आखिरी कलाम' भी जायसी की रचनाएँ हैं।
IV. 'मृगावती' जायसी की रचना है।
उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिए :

(क) केवल I, II और III
(ख) केवल I और IV
(ग) केवल II, III और IV
(घ) I, II, III और IV

9. 'रामचरितमानस' में कुल कितने कांड (सोपान) हैं?

(क) छह (ख) पाँच
(ग) सात (घ) आठ

10. कबीर की वाणी के संकलन 'बीजक' का भाग निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?

(क) सबद (ख) अखरावट
(ग) साखी (घ) रमैनी

11. अष्टछाप के कवियों में निम्नलिखित में से किस वर्ग के सभी कवि वल्लभाचार्य के शिष्य थे?

(क) कुंभनदास, कृष्णदास, गोविंदस्वामी, चतुर्भुजदास
(ख) सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास, कृष्णदास
(ग) नंददास, छीतस्वामी, गोविंदस्वामी, चतुर्भुजदास
(घ) सूरदास, नंददास, परमानंददास, छीतस्वामी

12. 'प्रेमवाटिका' के रचयिता कौन हैं?

(क) मीराँबाई (ख) रहीम
(ग) रसखान (घ) नंददास

13. सूची-I (काव्य-पंक्ति) को सूची-II (संत कवि) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (पंक्ति)	सूची-II (कवि)
(A) जाति-पाँति पूछै नहिं कोई। हरि को भजै सो हरि का होई॥	(1) कुंभनदास
(B) संतन को कहा सीकरी सों काम	(2) रैदास
(C) अजगर करै न चाकरी, पंछी करै न काम	(3) रामानंद
(D) प्रभु जी तुम चंदन हम पानी	(4) मलूकदास

कूट :

(क) A-3, B-2, C-1, D-4 (ख) A-4, B-1, C-3, D-2
(ग) A-3, B-1, C-4, D-2 (घ) A-2, B-1, C-4, D-3

14. निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : सूरदास को वात्सल्य रस का सम्राट कहा जाता है।

कारण (R) : वल्लभाचार्य से भेंट से पहले सूरदास दैन्य और विनय के पद गाया करते थे।

सही उत्तर चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

15. सूची-I (रचनाकार) को सूची-II (भ्रमरगीत-परंपरा की रचना) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (रचनाकार)	सूची-II (रचना)
(A) नंददास	(1) उद्धवशतक
(B) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'	(2) भ्रमरगीतसार
(C) सत्यनारायण 'कविरत्न'	(3) भ्रमरदूत
(D) रामचंद्र शुक्ल (संपादक)	(4) भँवरगीत

कूट :

(क) A-4, B-1, C-2, D-3 (ख) A-4, B-1, C-3, D-2
(ग) A-1, B-4, C-3, D-2 (घ) A-3, B-1, C-4, D-2

16. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने निर्गुण संत कवियों में किसे सबसे अधिक शास्त्रज्ञ और सुशिक्षित माना है?

(क) दादू दयाल (ख) रज्जब
(ग) सुंदरदास (घ) मलूकदास

17. 'साहित्य लहरी' किस कवि की रचना है?

(क) सूरदास (ख) कृष्णदास
(ग) परमानंददास (घ) नंददास

18. 'मधुमालती' के रचयिता मंझन किस काव्यधारा के कवि हैं?

(क) निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा
(ख) सगुण कृष्णभक्ति काव्यधारा
(ग) सगुण रामभक्ति काव्यधारा
(घ) निर्गुण प्रेमाश्रयी (सूफी) काव्यधारा

19. सूची-I (रीतिकालीन आचार्य) को सूची-II (लक्षण-ग्रंथ) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (आचार्य)	सूची-II (ग्रंथ)
(A) चिंतामणि	(1) कविकुलकल्पतरु
(B) मतिराम	(2) भावविलास
(C) देव	(3) काव्यनिर्णय
(D) भिखारीदास	(4) रसराज

कूट :

(क) A-3, B-1, C-2, D-4 (ख) A-3, B-4, C-2, D-1
(ग) A-4, B-1, C-2, D-3 (घ) A-1, B-4, C-2, D-3

20. निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : घनानंद रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं।

कारण (R) : घनानंद ने 'काव्यनिर्णय' नामक लक्षण-ग्रंथ की रचना की।

सही उत्तर चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

21. 'रामचंद्रिका' के रचयिता कौन हैं?

(क) तुलसीदास (ख) केशवदास
(ग) चिंतामणि (घ) सेनापति

22. बिहारी के आश्रयदाता कौन थे?

(क) छत्रसाल
(ख) मुहम्मद शाह रंगीले
(ग) मिर्जा राजा जयसिंह
(घ) महाराज जसवंतसिंह

23. निम्नलिखित रीतिकालीन कवि–रचना युग्मों पर विचार कीजिए :

I. पद्माकर – जगद्विनोद
II. सेनापति – कवित्त रत्नाकर
III. आलम – आलमकेलि
IV. बोधा – विरहवारीश

उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिए :

(क) केवल I और II
(ख) केवल I, II और III
(ग) केवल II, III और IV
(घ) I, II, III और IV

24. रीतिकाल को 'शृंगार काल' नाम किस विद्वान ने दिया?

(क) रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'
(ख) मिश्रबंधु
(ग) विश्वनाथप्रसाद मिश्र
(घ) रामचंद्र शुक्ल

25. निम्नलिखित में से कौन 'भारतेंदु मंडल' के कवि नहीं हैं?

(क) रामनरेश त्रिपाठी
(ख) राधाचरण गोस्वामी
(ग) प्रतापनारायण मिश्र
(घ) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

26. सूची-I (द्विवेदी युगीन कवि) को सूची-II (रचना) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (कवि)	सूची-II (रचना)
(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	(1) एकांतवासी योगी
(B) रामनरेश त्रिपाठी	(2) प्रियप्रवास
(C) श्रीधर पाठक	(3) रामचरित चिंतामणि
(D) रामचरित उपाध्याय	(4) पथिक

कूट :

(क) A-2, B-4, C-3, D-1 (ख) A-2, B-4, C-1, D-3
(ग) A-3, B-1, C-2, D-4 (घ) A-2, B-3, C-1, D-4

27. 'राम की शक्तिपूजा' किस कवि की रचना है?

(क) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(ख) जयशंकर प्रसाद
(ग) मैथिलीशरण गुप्त
(घ) सुमित्रानंदन पंत

28. 'कामायनी' के निम्नलिखित सर्गों को उनके क्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए :

(A) लज्जा
(B) इड़ा
(C) श्रद्धा
(D) निर्वेद

सही क्रम चुनिए :

(क) B, A, C, D (ख) D, A, B, C
(ग) C, A, B, D (घ) C, B, A, D

29. महादेवी वर्मा के निम्नलिखित काव्य-संग्रहों को प्रकाशन के कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) सांध्यगीत
(B) नीहार
(C) दीपशिखा
(D) नीरजा

सही क्रम चुनिए :

(क) B, A, D, C (ख) D, A, C, B
(ग) B, D, C, A (घ) B, D, A, C

30. प्रगतिशील लेखक संघ का पहला अधिवेशन (1936 ई.) कहाँ हुआ और उसकी अध्यक्षता किसने की?

(क) लखनऊ – प्रेमचंद
(ख) बनारस – जयशंकर प्रसाद
(ग) कलकत्ता – रवींद्रनाथ ठाकुर
(घ) इलाहाबाद – निराला

31. निम्नलिखित में से कौन-सा कवि 'दूसरा सप्तक' (1951) में संकलित नहीं है?

(क) धर्मवीर भारती
(ख) गजानन माधव मुक्तिबोध
(ग) शमशेर बहादुर सिंह
(घ) रघुवीर सहाय

32. 'नयी कविता' नामक संकलन-पत्रिका (1954) के संपादक कौन थे?

(क) जगदीश गुप्त और रामस्वरूप चतुर्वेदी
(ख) धर्मवीर भारती और नरेश मेहता
(ग) मुक्तिबोध और शमशेर बहादुर सिंह
(घ) अज्ञेय और नेमिचंद्र जैन

33. सूची-I (काव्य-संग्रह) को सूची-II (कवि) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (संग्रह)	सूची-II (कवि)
(A) युगधारा	(1) नागार्जुन
(B) चाँद का मुँह टेढ़ा है	(2) अज्ञेय
(C) हरी घास पर क्षण भर	(3) गिरिजाकुमार माथुर
(D) धूप के धान	(4) मुक्तिबोध

कूट :

(क) A-1, B-3, C-2, D-4 (ख) A-1, B-2, C-4, D-3
(ग) A-3, B-2, C-1, D-4 (घ) A-1, B-4, C-2, D-3

34. रामधारी सिंह 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस कृति पर मिला?

(क) संस्कृति के चार अध्याय
(ख) उर्वशी
(ग) कुरुक्षेत्र
(घ) रश्मिरथी

35. 'मधुशाला' के रचयिता कौन हैं?

(क) नरेंद्र शर्मा
(ख) भगवतीचरण वर्मा
(ग) हरिवंशराय बच्चन
(घ) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

36. निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : 'साकेत' में उर्मिला एक गौण पात्र है और उसकी कथा का केंद्र लक्ष्मण का युद्ध-पराक्रम है।
कारण (R) : रवींद्रनाथ ठाकुर के निबंध 'काव्येर उपेक्षिता' और महावीरप्रसाद द्विवेदी के लेख 'कवियों की उर्मिला-विषयक उदासीनता' से प्रेरित होकर गुप्त जी ने उर्मिला को महत्त्व दिया।
सही उत्तर चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

खंड-ख : हिंदी गद्य साहित्य का विकास

37. सूची-I (उपन्यास) को सूची-II (उपन्यासकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (उपन्यास)	सूची-II (उपन्यासकार)
(A) झूठा सच	(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(B) बाणभट्ट की आत्मकथा	(2) यशपाल
(C) राग दरबारी	(3) मन्नू भंडारी
(D) आपका बंटी	(4) श्रीलाल शुक्ल

कूट :

(क) A-3, B-2, C-1, D-4 (ख) A-4, B-1, C-2, D-3
(ग) A-2, B-1, C-4, D-3 (घ) A-1, B-2, C-4, D-3

38. प्रेमचंद के निम्नलिखित उपन्यासों को प्रकाशन के कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) सेवासदन
(B) निर्मला
(C) गबन
(D) रंगभूमि
सही क्रम चुनिए :

(क) A, D, B, C (ख) A, C, B, D
(ग) D, A, B, C (घ) B, C, D, A

39. प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' का मुख्य पात्र कौन है?

(क) होरी (ख) हल्कू
(ग) घीसू (घ) हामिद

40. जयशंकर प्रसाद के नाटकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. 'ध्रुवस्वामिनी' में स्त्री के पुनर्विवाह (मोक्ष) की समस्या उठाई गई है।
II. 'स्कंदगुप्त' में देवसेना एक प्रमुख पात्र है।
III. 'चंद्रगुप्त' में चाणक्य एक प्रमुख पात्र है।
IV. 'एक घूँट' प्रसाद का अनेक अंकों वाला ऐतिहासिक नाटक है।
उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिए :

(क) केवल I और II
(ख) केवल I, II और III
(ग) केवल II, III और IV
(घ) I, II, III और IV

41. मोहन राकेश के नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' की नायिका कौन है?

(क) अंबिका (ख) प्रियंगुमंजरी
(ग) सावित्री (घ) मल्लिका

42. 'अंधा युग' (गीतिनाट्य) के रचयिता कौन हैं?

(क) मोहन राकेश
(ख) जगदीशचंद्र माथुर
(ग) लक्ष्मीनारायण लाल
(घ) धर्मवीर भारती

43. निम्नलिखित में से कौन-सा निबंध आचार्य रामचंद्र शुक्ल का नहीं है?

(क) लोभ और प्रीति
(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं
(ग) करुणा
(घ) उत्साह

44. सूची-I (निबंध) को सूची-II (निबंधकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (निबंध)	सूची-II (निबंधकार)
(A) कुटज	(1) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(B) मजदूरी और प्रेम	(2) हरिशंकर परसाई
(C) कछुआ धरम	(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(D) ठिठुरता हुआ गणतंत्र	(4) सरदार पूर्णसिंह

कूट :

(क) A-1, B-4, C-3, D-2 (ख) A-3, B-4, C-1, D-2
(ग) A-3, B-1, C-4, D-2 (घ) A-4, B-2, C-3, D-1

45. हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा के खंडों को प्रकाशन के क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(B) बसेरे से दूर
(C) दशद्वार से सोपान तक
(D) नीड़ का निर्माण फिर
सही क्रम चुनिए :

(क) B, D, C, A (ख) C, D, B, A
(ग) A, D, B, C (घ) A, D, C, B

46. बनारसीदास जैन की आत्मकथा 'अर्द्धकथानक' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. इसकी रचना 1641 ई. में हुई।
II. यह ब्रजभाषा में है।
III. यह पद्य में रचित है।
IV. यह खड़ी बोली गद्य में लिखी गई है।
उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिए :

(क) केवल I और IV
(ख) केवल I, II और III
(ग) केवल II और IV
(घ) I, II, III और IV

47. प्रेमचंद की जीवनी 'कलम का सिपाही' के लेखक कौन हैं?

(क) विष्णु प्रभाकर (ख) मदन गोपाल
(ग) शिवरानी देवी (घ) अमृतराय

48. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति महादेवी वर्मा की नहीं है?

(क) स्मृति की रेखाएँ
(ख) माटी की मूरतें
(ग) अतीत के चलचित्र
(घ) पथ के साथी

49. 'घुमक्कड़ शास्त्र' के लेखक कौन हैं?

(क) मोहन राकेश
(ख) राहुल सांकृत्यायन
(ग) निर्मल वर्मा
(घ) अज्ञेय

50. हिंदी का पहला रिपोर्ताज माना जाने वाला 'तूफ़ानों के बीच' (1941) किस घटना पर आधारित है और उसके लेखक कौन हैं?

(क) बंगाल का अकाल – शिवदान सिंह चौहान
(ख) भारत विभाजन – यशपाल
(ग) द्वितीय विश्वयुद्ध – रामवृक्ष बेनीपुरी
(घ) बंगाल का अकाल – रांगेय राघव

51. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 'त्रिवेणी' में किन तीन कवियों पर आलोचना संकलित है?

(क) कबीर, सूर, तुलसी
(ख) सूर, तुलसी, जायसी
(ग) जायसी, कबीर, मीराँ
(घ) तुलसी, केशव, बिहारी

52. 'एक साहित्यिक की डायरी' के लेखक कौन हैं?

(क) धर्मवीर भारती
(ख) गजानन माधव मुक्तिबोध
(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(घ) मोहन राकेश

53. व्यंग्य-संग्रह 'विकलांग श्रद्धा का दौर' के लेखक कौन हैं?

(क) हरिशंकर परसाई
(ख) श्रीलाल शुक्ल
(ग) शरद जोशी
(घ) रवींद्रनाथ त्यागी

54. फ़ोर्ट विलियम कॉलेज (कलकत्ता) के लिए लिखी गई गद्य-रचनाओं के संबंध में सही युग्म चुनिए :

I. लल्लूलाल – प्रेमसागर
II. सदल मिश्र – नासिकेतोपाख्यान
III. इंशा अल्ला खाँ – रानी केतकी की कहानी
IV. सदासुखलाल – सुखसागर
उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिए :

(क) केवल I और II
(ख) केवल I, II और III
(ग) केवल III और IV
(घ) I, II, III और IV

खंड-ग : काव्यशास्त्र (रस, छंद, अलंकार, गुण-दोष)

55. वात्सल्य रस का स्थायी भाव क्या है?

(क) रति (दांपत्य)
(ख) उत्साह
(ग) वत्सलता (संतान-विषयक रति)
(घ) निर्वेद

56. सूची-I (रस-सूत्र के व्याख्याकार) को सूची-II (मत) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (आचार्य)	सूची-II (मत)
(A) भट्ट लोल्लट	(1) भुक्तिवाद
(B) श्री शंकुक	(2) अभिव्यक्तिवाद
(C) भट्ट नायक	(3) उत्पत्तिवाद
(D) अभिनवगुप्त	(4) अनुमितिवाद

कूट :

(क) A-1, B-4, C-2, D-3 (ख) A-3, B-4, C-1, D-2
(ग) A-2, B-4, C-1, D-3 (घ) A-1, B-4, C-3, D-2

57. हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?

(क) 26 (15 और 11 पर यति)
(ख) 28 (16 और 12 पर यति)
(ग) 24 (11 और 13 पर यति)
(घ) 32 (16 और 16 पर यति)

58. 'छप्पय' छंद किन दो छंदों के योग से बनता है?

(क) दोहा और चौपाई (ख) दोहा और रोला
(ग) रोला और उल्लाला (घ) सोरठा और रोला

59. "चरण धरत चिंता करत, चितवत चारहुँ ओर। सुबरन को ढूँढ़त फिरत, कवि व्यभिचारी चोर॥" – इसमें मुख्य अलंकार है :

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा
(ग) रूपक (घ) यमक

60. निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : "मुख मयंक सम मंजु मनोहर" में पूर्णोपमा अलंकार है।
कारण (R) : इसमें उपमा के चारों अंग – उपमेय, उपमान, वाचक शब्द और साधारण धर्म – उपस्थित हैं।
सही उत्तर चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

61. सूची-I (काव्य-पंक्ति) को सूची-II (अलंकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (पंक्ति)	सूची-II (अलंकार)
(A) सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात। मनहुँ नीलमनि सैल पर, आतप परयौ प्रभात॥	(1) रूपक
(B) चरण-कमल बंदौं हरिराई	(2) अतिशयोक्ति
(C) हनूमान की पूँछ में, लगन न पाई आग। लंका सिगरी जल गई, गए निसाचर भाग॥	(3) यमक
(D) कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर	(4) उत्प्रेक्षा

कूट :

(क) A-4, B-1, C-2, D-3 (ख) A-4, B-2, C-1, D-3
(ग) A-4, B-3, C-2, D-1 (घ) A-2, B-1, C-4, D-3

62. माधुर्य गुण निम्नलिखित में से किस रस के अनुकूल नहीं है?

(क) शृंगार (ख) करुण
(ग) शांत (घ) रौद्र

63. व्याकरण के नियमों के विरुद्ध शब्द-प्रयोग होने पर कौन-सा काव्यदोष होता है?

(क) श्रुतिकटुत्व (ख) ग्राम्यत्व
(ग) अप्रतीतत्व (घ) च्युतसंस्कृति

64. 'गंगा में घोष (गाँव) है' – यह प्रसिद्ध उदाहरण किस शब्द-शक्ति का है?

(क) व्यंजना (ख) तात्पर्या
(ग) लक्षणा (घ) अभिधा

खंड-घ : हिंदी भाषा, बोलियाँ और देवनागरी

65. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिंदी के अंतर्गत नहीं आती?

(क) बघेली (ख) ब्रजभाषा
(ग) कन्नौजी (घ) बुंदेली

66. सूची-I (आधुनिक भारतीय आर्यभाषा) को सूची-II (जिस अपभ्रंश से विकास माना जाता है) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (भाषा)	सूची-II (अपभ्रंश)
(A) पश्चिमी हिंदी	(1) मागधी
(B) पूर्वी हिंदी	(2) महाराष्ट्री
(C) बिहारी	(3) अर्धमागधी
(D) मराठी	(4) शौरसेनी

कूट :

(क) A-3, B-4, C-1, D-2 (ख) A-1, B-3, C-4, D-2
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2 (घ) A-2, B-3, C-1, D-4

67. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में हिंदी भाषा के विकास और प्रसार के लिए संघ को निर्देश दिए गए हैं?

(क) अनुच्छेद 351 (ख) अनुच्छेद 343
(ग) अनुच्छेद 345 (घ) अनुच्छेद 348

68. देवनागरी लिपि के विकास-क्रम को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) ब्राह्मी लिपि
(B) देवनागरी लिपि
(C) गुप्त लिपि
(D) कुटिल लिपि
सही क्रम चुनिए :

(क) C, B, A, D (ख) A, C, D, B
(ग) A, B, D, C (घ) D, C, A, B

69. हिंदी की 'ड़' और 'ढ़' ध्वनियाँ उच्चारण की दृष्टि से कैसी हैं?

(क) लुंठित (प्रकंपित)
(ख) पार्श्विक
(ग) संघर्षी
(घ) उत्क्षिप्त (ताड़नजात)

70. 'आग' शब्द किस श्रेणी का है?

(क) तद्भव (अग्नि से)
(ख) तत्सम
(ग) देशज
(घ) विदेशज

खंड-ङ : हिंदी व्याकरण

71. 'जगन्नाथ' में कौन-सी संधि है?

(क) विसर्ग संधि (ख) स्वर संधि
(ग) यण संधि (घ) व्यंजन संधि

72. 'पवित्र' का सही संधि-विच्छेद और संधि का नाम है :

(क) पो + इत्र – अयादि संधि
(ख) पौ + इत्र – वृद्धि संधि
(ग) प + वित्र – व्यंजन संधि
(घ) पव + इत्र – गुण संधि

73. सूची-I (शब्द) को सूची-II (संधि) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (शब्द)	सूची-II (संधि)
(A) प्रत्येक	(1) वृद्धि
(B) नयन	(2) गुण
(C) वनौषधि	(3) यण
(D) महेश	(4) अयादि

कूट :

(क) A-3, B-2, C-1, D-4 (ख) A-3, B-4, C-1, D-2
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2 (घ) A-1, B-4, C-3, D-2

74. 'आजन्म' में कौन-सा समास है?

(क) बहुव्रीहि (ख) अव्ययीभाव
(ग) तत्पुरुष (घ) द्विगु

75. सूची-I (समस्त पद) को सूची-II (समास) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (समस्त पद)	सूची-II (समास)
(A) गगनचुंबी	(1) द्वंद्व
(B) माता-पिता	(2) कर्मधारय
(C) चरणकमल	(3) तत्पुरुष
(D) लंबोदर	(4) बहुव्रीहि

कूट :

(क) A-3, B-1, C-2, D-4 (ख) A-3, B-2, C-1, D-4
(ग) A-4, B-1, C-3, D-2 (घ) A-4, B-1, C-2, D-3

76. निम्नलिखित में से किस शब्द में दो उपसर्ग हैं?

(क) उपकार (ख) अनुशासन
(ग) प्रख्यात (घ) अभ्यागत

77. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द कृत् प्रत्यय से नहीं, तद्धित प्रत्यय से बना है?

(क) लड़ाकू (ख) मिठाई
(ग) पढ़ाई (घ) चालक

78. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?

(क) चाय (ख) आत्मा
(ग) सड़क (घ) दही

79. किस वाक्य में 'से' अपादान कारक का चिह्न है?

(क) राम ने बाण से रावण को मारा।
(ख) वह कलम से लिखता है।
(ग) वह रेल से दिल्ली गया।
(घ) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

80. "मुझसे चला नहीं जाता।" – यह वाक्य किस वाच्य में है?

(क) कर्मवाच्य
(ख) प्रेरणार्थक वाच्य
(ग) भाववाच्य
(घ) कर्तृवाच्य

81. निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य कौन-सा है?

(क) यदि तुम परिश्रम करोगे तो सफल होगे।
(ख) जो परिश्रम करता है, वह सफल होता है।
(ग) परिश्रम करने वाला सफल होता है।
(घ) मैंने बहुत परिश्रम किया, परंतु सफल नहीं हुआ।

82. "मैं जानता हूँ कि वह ईमानदार है।" – इस वाक्य में 'कि वह ईमानदार है' कौन-सा उपवाक्य है?

(क) संज्ञा उपवाक्य
(ख) प्रधान उपवाक्य
(ग) विशेषण उपवाक्य
(घ) क्रियाविशेषण उपवाक्य

83. 'पीना' क्रिया का द्वितीय प्रेरणार्थक रूप कौन-सा है?

(क) पिया (ख) पीवना
(ग) पिलवाना (घ) पिलाना

84. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द चुनिए :

(क) उज्वल (ख) उज्जवल
(ग) उज्ज्वल (घ) उजज्वल

85. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है?

(क) मेरे को घर जाना है।
(ख) मैंने आपके दर्शन किए।
(ग) सीता ने गाना गाई।
(घ) उसने अनेकों पुस्तकें पढ़ीं।

86. लिखते समय छूटे हुए अंश को जोड़ने के लिए किस चिह्न का प्रयोग होता है?

(क) ; (अर्धविराम)
(ख) — (निर्देशक चिह्न)
(ग) ^ (हंसपद / त्रुटिपूरक)
(घ) :- (विवरण चिह्न)

87. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है?

(क) जलद (ख) नीरज
(ग) सरोज (घ) राजीव

88. 'उत्कर्ष' का विलोम शब्द है :

(क) अपकर्ष (ख) विकर्ष
(ग) आकर्ष (घ) निष्कर्ष

89. 'पयोधर' शब्द के दो प्रचलित अर्थ कौन-से हैं?

(क) समुद्र और कमल (ख) दूध और जल
(ग) पर्वत और नदी (घ) बादल और स्तन

90. 'प्रसाद' और 'प्रासाद' शब्द-युग्म के अर्थ क्रमशः हैं :

(क) महल – कृपा
(ख) भोग – मंदिर
(ग) प्रसन्नता – मंदिर-शिखर
(घ) कृपा – महल

91. 'जिसकी गर्दन सुंदर हो' – इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है :

(क) सुनयन (ख) सुदर्शन
(ग) सुग्रीव (घ) सुकंठ

92. 'गूलर का फूल होना' मुहावरे का अर्थ है :

(क) शीघ्र नष्ट होना (ख) बहुत महँगा होना
(ग) बहुत सुंदर होना (घ) दुर्लभ होना

खंड-च : संस्कृत साहित्य और व्याकरण

93. सूची-I (संस्कृत रचनाकार) को सूची-II (रचना) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (रचनाकार)	सूची-II (रचना)
(A) कालिदास	(1) कुमारसंभवम्
(B) भवभूति	(2) काव्यादर्श
(C) दण्डी	(3) किरातार्जुनीयम्
(D) भारवि	(4) मालतीमाधवम्

कूट :

(क) A-2, B-4, C-1, D-3 (ख) A-3, B-4, C-1, D-2
(ग) A-1, B-4, C-2, D-3 (घ) A-1, B-3, C-2, D-4

94. कालिदास के 'मेघदूतम्' में मुख्य रूप से किस छंद का प्रयोग हुआ है?

(क) वसंततिलका
(ख) शार्दूलविक्रीडित
(ग) मंदाक्रांता
(घ) अनुष्टुप्

95. 'जगदीशः' का सही संधि-विच्छेद है :

(क) जगत् + ईशः (ख) जग + दीशः
(ग) जगद् + ईशः (घ) जगदि + ईशः

96. 'मनोरथः' का संधि-विच्छेद और संधि-प्रकार है :

(क) मन + ओरथः – वृद्धि संधि
(ख) मनस् + रथः – व्यंजन संधि
(ग) मनः + रथः – विसर्ग संधि
(घ) मनो + रथः – गुण संधि

97. 'नदी' शब्द का षष्ठी विभक्ति बहुवचन रूप है :

(क) नदीषु (ख) नदीभ्यः
(ग) नद्याः (घ) नदीनाम्

98. 'भू' धातु, लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का रूप है :

(क) भविष्यति (ख) भवतु
(ग) अभवत् (घ) भवेत्

99. संस्कृत में 'विना' के योग में निम्नलिखित में से कौन-सी विभक्ति नहीं होती?

(क) तृतीया (ख) सप्तमी
(ग) पंचमी (घ) द्वितीया

100. "छात्र विद्यालय जाते हैं।" का शुद्ध संस्कृत अनुवाद है :

(क) छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति।
(ख) छात्रः विद्यालयं गच्छति।
(ग) छात्राः विद्यालये गच्छन्ति।
(घ) छात्राः विद्यालयः गच्छन्ति।

OMR उत्तर-पत्रक

UP TGT हिंदी : मॉक टेस्ट पेपर – 1 · कुल प्रश्न : 100 · समय : 2 घंटे

अभ्यर्थी का नाम		अनुक्रमांक	
दिनांक		प्राप्तांक	_____ / 100

उत्तर भरने के निर्देश

- केवल काले या नीले बॉल-पेन का प्रयोग कीजिए।
- हर प्रश्न के लिए केवल एक गोले को पूरा भरिए।
- उत्तर एक बार भरने के बाद बदलिए नहीं; काट-छाँट न कीजिए।
- पूरा पेपर हल करने के बाद ही उत्तर-कुंजी से मिलाइए।

सही तरीका

●

गलत तरीके

✓ ✗ ◐ ⊙

प्र.	उत्तर विकल्प	प्र.	उत्तर विकल्प	प्र.	उत्तर विकल्प	प्र.	उत्तर विकल्प
1	क ख ग घ	26	क ख ग घ	51	क ख ग घ	76	क ख ग घ
2	क ख ग घ	27	क ख ग घ	52	क ख ग घ	77	क ख ग घ
3	क ख ग घ	28	क ख ग घ	53	क ख ग घ	78	क ख ग घ
4	क ख ग घ	29	क ख ग घ	54	क ख ग घ	79	क ख ग घ
5	क ख ग घ	30	क ख ग घ	55	क ख ग घ	80	क ख ग घ
6	क ख ग घ	31	क ख ग घ	56	क ख ग घ	81	क ख ग घ
7	क ख ग घ	32	क ख ग घ	57	क ख ग घ	82	क ख ग घ
8	क ख ग घ	33	क ख ग घ	58	क ख ग घ	83	क ख ग घ
9	क ख ग घ	34	क ख ग घ	59	क ख ग घ	84	क ख ग घ
10	क ख ग घ	35	क ख ग घ	60	क ख ग घ	85	क ख ग घ
11	क ख ग घ	36	क ख ग घ	61	क ख ग घ	86	क ख ग घ
12	क ख ग घ	37	क ख ग घ	62	क ख ग घ	87	क ख ग घ
13	क ख ग घ	38	क ख ग घ	63	क ख ग घ	88	क ख ग घ
14	क ख ग घ	39	क ख ग घ	64	क ख ग घ	89	क ख ग घ
15	क ख ग घ	40	क ख ग घ	65	क ख ग घ	90	क ख ग घ
16	क ख ग घ	41	क ख ग घ	66	क ख ग घ	91	क ख ग घ
17	क ख ग घ	42	क ख ग घ	67	क ख ग घ	92	क ख ग घ
18	क ख ग घ	43	क ख ग घ	68	क ख ग घ	93	क ख ग घ
19	क ख ग घ	44	क ख ग घ	69	क ख ग घ	94	क ख ग घ
20	क ख ग घ	45	क ख ग घ	70	क ख ग घ	95	क ख ग घ
21	क ख ग घ	46	क ख ग घ	71	क ख ग घ	96	क ख ग घ
22	क ख ग घ	47	क ख ग घ	72	क ख ग घ	97	क ख ग घ
23	क ख ग घ	48	क ख ग घ	73	क ख ग घ	98	क ख ग घ
24	क ख ग घ	49	क ख ग घ	74	क ख ग घ	99	क ख ग घ
25	क ख ग घ	50	क ख ग घ	75	क ख ग घ	100	क ख ग घ

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर : _____

उत्तर-कुंजी

1–20	21–40	41–60	61–80	81–100
1. (ग)	21. (ख)	41. (घ)	61. (क)	81. (घ)
2. (घ)	22. (ग)	42. (घ)	62. (घ)	82. (क)
3. (घ)	23. (घ)	43. (ख)	63. (घ)	83. (ग)
4. (क)	24. (ग)	44. (ख)	64. (ग)	84. (ग)
5. (घ)	25. (क)	45. (ग)	65. (क)	85. (ख)
6. (क)	26. (ख)	46. (ख)	66. (ग)	86. (ग)
7. (ग)	27. (क)	47. (घ)	67. (क)	87. (क)
8. (क)	28. (ग)	48. (ख)	68. (ख)	88. (क)
9. (ग)	29. (घ)	49. (ख)	69. (घ)	89. (घ)
10. (ख)	30. (क)	50. (घ)	70. (क)	90. (घ)
11. (ख)	31. (ख)	51. (ख)	71. (घ)	91. (ग)
12. (ग)	32. (क)	52. (ख)	72. (क)	92. (घ)
13. (ग)	33. (घ)	53. (क)	73. (ख)	93. (ग)
14. (ख)	34. (ख)	54. (क)	74. (ख)	94. (ग)
15. (ख)	35. (ग)	55. (ग)	75. (क)	95. (क)
16. (ग)	36. (घ)	56. (ख)	76. (घ)	96. (ग)
17. (क)	37. (ग)	57. (ख)	77. (ख)	97. (घ)
18. (घ)	38. (क)	58. (ग)	78. (घ)	98. (क)
19. (घ)	39. (ख)	59. (क)	79. (घ)	99. (ख)
20. (ग)	40. (ख)	60. (क)	80. (ग)	100. (क)

अपना स्कोर परखिए

- 80 या अधिक : बहुत अच्छी तैयारी; अब केवल गलत प्रश्नों के तथ्य दोहराइए।
- 60–79 : अच्छी तैयारी; कथन और सुमेलन वाले प्रश्नों का अभ्यास बढ़ाइए।
- 60 से कम : संबंधित खंडों के नोट्स दोबारा पढ़कर यह पेपर एक सप्ताह बाद फिर हल कीजिए।

उत्तरमाला एवं व्याख्या

खंड-क : हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)

1. उत्तर (ग) [A-3, B-4, C-1, D-2] — भरतेश्वर बाहुबली रास (1184 ई.) – शालिभद्र सूरि; स्थूलिभद्र रास (1209 ई.) – जिनधर्म सूरि; रेवंतगिरि रास (1231 ई.) – विजयसेन सूरि; नेमिनाथ रास – सुमति गणि। चारों जैन रास-परंपरा की रचनाएँ हैं।

2. उत्तर (घ) — चारों कथन सही हैं। विद्यापति ने अवहट्ट (कीर्तिलता, कीर्तिपताका), मैथिली (पदावली) और संस्कृत (पुरुष परीक्षा आदि) तीनों में लिखा। गीत-शैली और शृंगार-वर्णन के कारण उन्हें 'अभिनव जयदेव' तथा 'मैथिल कोकिल' कहा जाता है।

3. उत्तर (घ) — गोरखनाथ की हिंदी रचनाओं का संकलन-संपादन डॉ. पीतांबरदत्त बड़थ्वाल ने 'गोरखबानी' नाम से किया। नाथ साहित्य पर हजारीप्रसाद द्विवेदी ने 'नाथ संप्रदाय' ग्रंथ लिखा है, संपादन नहीं।

4. उत्तर (क) — दोनों कथन सही हैं और R ही A का कारण है। सिद्धों की उक्तियाँ ऊपर से सीधी पर भीतर से साधना के रहस्य वाली होती थीं; 'आलोक-अंधकार' वाली इस दुहरी अर्थ-छाया के कारण उनकी भाषा 'संधा भाषा' कहलाई।

5. उत्तर (घ) — सही क्रम : गार्सा द तासी (1839) → शिवसिंह सरोज (1883) → ग्रियर्सन (1888) → मिश्रबंधु विनोद (1913)। इसके बाद रामचंद्र शुक्ल का 'हिंदी साहित्य का इतिहास' (1929) आया।

6. उत्तर (क) [A-2, B-3, C-1, D-4] — बीजवपन काल – महावीरप्रसाद द्विवेदी; सिद्ध-सामंत काल – राहुल सांकृत्यायन; आरंभिक काल – मिश्रबंधु; चारण काल – ग्रियर्सन। 'वीरगाथा काल' शुक्ल का और 'आदिकाल' हजारीप्रसाद द्विवेदी का दिया नाम है।

7. उत्तर (ग) [A-3, B-4, C-1, D-2] — कुतुबन – मृगावती; मंझन – मधुमालती; उसमान – चित्रावली; नूर मुहम्मद – इंद्रावती (और अनुराग बाँसुरी)। मुल्ला दाऊद की 'चंदायन' को सूफी प्रेमाख्यान-परंपरा की आरंभिक रचना माना जाता है।

8. उत्तर (क) — I, II और III सही हैं। 'पद्मावत' ठेठ अवधी में दोहा-चौपाई शैली का प्रेमाख्यान है; 'अखरावट' और 'आखिरी कलाम' भी जायसी की हैं। 'मृगावती' कुतुबन की रचना है, इसलिए IV गलत है।

9. उत्तर (ग) — मानस सात कांडों में है : बाल, अयोध्या, अरण्य, किष्किंधा, सुंदर, लंका और उत्तर कांड। तुलसी ने इन्हें 'सोपान' भी कहा है।

10. उत्तर (ख) — 'बीजक' के तीन भाग हैं : रमैनी, सबद और साखी। 'अखरावट' जायसी की रचना है।

11. उत्तर (ख) — अष्टछाप के चार कवि (सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास, कृष्णदास) वल्लभाचार्य के शिष्य थे और शेष चार (नंददास, छीतस्वामी, गोविंदस्वामी, चतुर्भुजदास) गोसाईं विट्ठलनाथ के।

12. उत्तर (ग) — 'प्रेमवाटिका' और 'सुजान रसखान' रसखान की प्रसिद्ध रचनाएँ हैं। 'प्रेमवाटिका' में प्रेम के स्वरूप का निरूपण है।

13. उत्तर (ग) [A-3, B-1, C-4, D-2] — 'जाति-पाँति पूछै नहिं कोई...' – रामानंद; 'संतन को कहा सीकरी सों काम' – कुंभनदास (अकबर के बुलावे पर); 'अजगर करै न चाकरी...' – मलूकदास; 'प्रभु जी तुम चंदन हम पानी' – रैदास।

14. उत्तर (ख) — दोनों कथन सही हैं, पर R, A की व्याख्या नहीं करता। सूर 'वात्सल्य के सम्राट' इसलिए कहे जाते हैं कि उन्होंने कृष्ण की बाल-लीलाओं और यशोदा के मातृ-हृदय का अत्यंत सूक्ष्म चित्रण किया। गऊघाट पर वल्लभाचार्य से भेंट से पहले के दैन्य-पद इसका कारण नहीं हैं।

15. उत्तर (ख) [A-4, B-1, C-3, D-2] — नंददास – भँवरगीत; रत्नाकर – उद्धवशतक; सत्यनारायण कविरत्न – भ्रमरदूत; 'भ्रमरगीतसार' सूरसागर के भ्रमरगीत-प्रसंग के पदों का संकलन है, जिसका संपादन रामचंद्र शुक्ल ने किया।

16. उत्तर (ग) — दादू के शिष्य सुंदरदास काशी में शिक्षा पाए हुए थे। शुक्ल ने उन्हें निर्गुण संतों में सबसे अधिक शास्त्रज्ञ और सुशिक्षित कहा है; उनकी काव्य-भाषा भी अधिक परिष्कृत है।

17. उत्तर (क) — 'साहित्य लहरी' सूरदास की रचना मानी जाती है। इसमें दृष्टकूट पद हैं। सूरसागर और सूरसारावली भी सूर की रचनाएँ हैं।

18. उत्तर (घ) — मंझन सूफी (प्रेमाश्रयी) कवि हैं। सूफी कवियों ने लोक-प्रचलित प्रेमकथाओं के माध्यम से ईश्वरीय प्रेम की अभिव्यक्ति की।

19. उत्तर (घ) [A-1, B-4, C-2, D-3] — चिंतामणि – कविकुलकल्पतरु; मतिराम – रसराज; देव – भावविलास; भिखारीदास – काव्यनिर्णय।

20. उत्तर (ग) — A सही है, R गलत है। घनानंद ने लक्षण-ग्रंथ नहीं लिखा; उन्होंने रीति की परिपाटी से मुक्त होकर 'सुजान' के प्रति अपने निजी प्रेम और विरह की अभिव्यक्ति की। 'काव्यनिर्णय' भिखारीदास का ग्रंथ है।

21. उत्तर (ख) — 'रामचंद्रिका' केशवदास की रचना है। इसमें छंदों की बहुत विविधता है, इसलिए इसे 'छंदों का अजायबघर' भी कहा जाता है।

22. उत्तर (ग) — बिहारी आमेर (जयपुर) के मिर्जा राजा जयसिंह के दरबारी कवि थे। 'नहिं पराग नहिं मधुर मधु...' वाले दोहे से उन्होंने राजा को नई रानी के मोह से जगाया था, यह प्रसंग प्रसिद्ध है।

23. उत्तर (घ) — चारों युग्म सही हैं। पद्माकर – जगद्विनोद; सेनापति – कवित्त रत्नाकर; आलम – आलमकेलि; बोधा – विरहवारीश (और इश्कनामा)।

24. उत्तर (ग) — 'शृंगार काल' नाम विश्वनाथप्रसाद मिश्र ने दिया। मिश्रबंधु ने इसे 'अलंकृत काल', शुक्ल ने 'रीतिकाल' और 'रसाल' ने 'कला काल' कहा।

25. उत्तर (क) — प्रतापनारायण मिश्र, प्रेमघन और राधाचरण गोस्वामी भारतेंदु मंडल के लेखक हैं। रामनरेश त्रिपाठी (मिलन, पथिक, स्वप्न) द्विवेदी युग के कवि हैं।

26. उत्तर (ख) [A-2, B-4, C-1, D-3] — हरिऔध – प्रियप्रवास; रामनरेश त्रिपाठी – पथिक; श्रीधर पाठक – एकांतवासी योगी (गोल्डस्मिथ की 'हरमिट' का खड़ी बोली अनुवाद); रामचरित उपाध्याय – रामचरित चिंतामणि।

27. उत्तर (क) — 'राम की शक्तिपूजा' निराला की प्रसिद्ध लंबी कविता है, जो 'अनामिका' (1938) में संकलित है।

28. उत्तर (ग) — कामायनी के 15 सर्गों का क्रम : चिंता, आशा, श्रद्धा, काम, वासना, लज्जा, कर्म, ईर्ष्या, इड़ा, स्वप्न, संघर्ष, निर्वेद, दर्शन, रहस्य, आनंद। अतः श्रद्धा → लज्जा → इड़ा → निर्वेद।

29. उत्तर (घ) — सही क्रम : नीहार (1930) → रश्मि (1932) → नीरजा (1934) → सांध्यगीत (1936) → दीपशिखा (1942)। 'यामा' में पहले चार संग्रह एक साथ संकलित हैं।

30. उत्तर (क) — प्रगतिशील लेखक संघ का पहला अधिवेशन 1936 में लखनऊ में हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रेमचंद ने की। हिंदी में प्रगतिवाद की शुरुआत इसी वर्ष से मानी जाती है।

31. उत्तर (ख) — 'दूसरा सप्तक' के कवि : भवानीप्रसाद मिश्र, शकुंतला माथुर, हरिनारायण व्यास, शमशेर बहादुर सिंह, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती। मुक्तिबोध 'तार सप्तक' (1943) के कवि हैं।

32. उत्तर (क) — 'नयी कविता' (1954, इलाहाबाद) का संपादन जगदीश गुप्त और रामस्वरूप चतुर्वेदी ने किया। 'प्रतीक' अज्ञेय की पत्रिका थी।

33. उत्तर (घ) [A-1, B-4, C-2, D-3] — युगधारा – नागार्जुन; चाँद का मुँह टेढ़ा है – मुक्तिबोध; हरी घास पर क्षण भर – अज्ञेय; धूप के धान – गिरिजाकुमार माथुर।

34. उत्तर (ख) — दिनकर को 1972 का ज्ञानपीठ पुरस्कार 'उर्वशी' पर मिला। 'संस्कृति के चार अध्याय' पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था।

35. उत्तर (ग) — 'मधुशाला' (1935) हरिवंशराय बच्चन की रचना है। इसी के कारण बच्चन को हालावाद का प्रवर्तक माना जाता है।

36. उत्तर (घ) — A गलत है, R सही है। 'साकेत' में उर्मिला केंद्रीय पात्र है; उसका विरह (विशेषकर नवम सर्ग) इस महाकाव्य की आत्मा है। गुप्त जी ने रवींद्रनाथ और द्विवेदी जी की प्रेरणा से उपेक्षित उर्मिला को केंद्र में रखा।

खंड-ख : हिंदी गद्य साहित्य का विकास

37. उत्तर (ग) [A-2, B-1, C-4, D-3] — झूठा सच – यशपाल; बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारीप्रसाद द्विवेदी; राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल; आपका बंटी – मन्नू भंडारी।

38. उत्तर (क) — सही क्रम : सेवासदन (1918) → रंगभूमि (1925) → निर्मला (1927) → गबन (1931)। इसके बाद कर्मभूमि (1932) और गोदान (1936) आए।

39. उत्तर (ख) — 'पूस की रात' का नायक किसान हल्कू है, जिसके साथ उसका कुत्ता जबरा है। होरी 'गोदान' का, घीसू 'कफन' का और हामिद 'ईदगाह' का पात्र है।

40. उत्तर (ख) — I, II और III सही हैं। 'ध्रुवस्वामिनी' में विवाह-मोक्ष और पुनर्विवाह का प्रश्न है; देवसेना 'स्कंदगुप्त' की और चाणक्य 'चंद्रगुप्त' के प्रमुख पात्र हैं। 'एक घूँट' एकांकी है, इसलिए IV गलत है।

41. उत्तर (घ) — 'आषाढ़ का एक दिन' की नायिका मल्लिका है और नायक कालिदास। अंबिका मल्लिका की माँ है, प्रियंगुमंजरी कालिदास की पत्नी। सावित्री 'आधे-अधूरे' की पात्र है।

42. उत्तर (घ) — 'अंधा युग' (1954) धर्मवीर भारती का गीतिनाट्य है, जिसकी कथा महाभारत युद्ध के अंतिम दिन से जुड़ी है।

43. उत्तर (ख) — 'उत्साह', 'करुणा' और 'लोभ और प्रीति' शुक्ल के 'चिंतामणि' (भाग 1) के मनोविकार-संबंधी निबंध हैं। 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' हजारीप्रसाद द्विवेदी का निबंध है।

44. उत्तर (ख) [A-3, B-4, C-1, D-2] — कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी; मजदूरी और प्रेम – सरदार पूर्णसिंह; कछुआ धरम – चंद्रधर शर्मा गुलेरी; ठिठुरता हुआ गणतंत्र – हरिशंकर परसाई।

45. उत्तर (ग) — सही क्रम : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (1969) → नीड़ का निर्माण फिर (1970) → बसेरे से दूर (1977) → दशद्वार से सोपान तक (1985)।

46. उत्तर (ख) — I, II और III सही हैं। 'अर्द्धकथानक' (1641) ब्रजभाषा पद्य (दोहा-चौपाई) में लिखी गई है और इसे हिंदी की पहली आत्मकथा माना जाता है। यह खड़ी बोली गद्य में नहीं है।

47. उत्तर (घ) — 'कलम का सिपाही' (1962) प्रेमचंद के पुत्र अमृतराय ने लिखी। शिवरानी देवी ने 'प्रेमचंद घर में' लिखी; विष्णु प्रभाकर ने शरतचंद्र की जीवनी 'आवारा मसीहा' लिखी।

48. उत्तर (ख) — 'अतीत के चलचित्र', 'स्मृति की रेखाएँ' और 'पथ के साथी' महादेवी की रेखाचित्र/संस्मरण कृतियाँ हैं। 'माटी की मूरतें' रामवृक्ष बेनीपुरी का रेखाचित्र-संग्रह है।

49. उत्तर (ख) — 'घुमक्कड़ शास्त्र' राहुल सांकृत्यायन की रचना है। उन्हें हिंदी यात्रा-साहित्य का पितामह कहा जाता है।

50. उत्तर (घ) — 'तूफ़ानों के बीच' रांगेय राघव का रिपोर्ताज है, जो बंगाल के अकाल पर लिखा गया।

51. उत्तर (ख) — 'त्रिवेणी' में शुक्ल की तीन भूमिकाएँ संकलित हैं, जो उन्होंने जायसी ग्रंथावली, भ्रमरगीतसार (सूर) और तुलसी ग्रंथावली के लिए लिखी थीं।

52. उत्तर (ख) — 'एक साहित्यिक की डायरी' मुक्तिबोध की कृति है, जिसमें डायरी-शैली में साहित्य और रचना-प्रक्रिया पर चिंतन है।

53. उत्तर (क) — 'विकलांग श्रद्धा का दौर' हरिशंकर परसाई का व्यंग्य-संग्रह है, जिस पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

54. उत्तर (क) — केवल I और II सही हैं। लल्लूलाल और सदल मिश्र कॉलेज के लिए लिख रहे थे। इंशा अल्ला खाँ और सदासुखलाल भी खड़ी बोली गद्य के आरंभिक लेखक हैं, पर उन्होंने कॉलेज से स्वतंत्र रहकर लिखा।

खंड-ग : काव्यशास्त्र (रस, छंद, अलंकार, गुण-दोष)

55. उत्तर (ग) — वात्सल्य रस का स्थायी भाव वत्सलता या संतान-विषयक रति है। शृंगार का स्थायी भाव रति, शांत का निर्वेद और वीर का उत्साह है।

56. उत्तर (ख) [A-3, B-4, C-1, D-2] — भट्ट लोल्लट – उत्पत्तिवाद (आरोपवाद); शंकुक – अनुमितिवाद; भट्ट नायक – भुक्तिवाद; अभिनवगुप्त – अभिव्यक्तिवाद।

57. उत्तर (ख) — हरिगीतिका सम मात्रिक छंद है; प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ, 16 और 12 पर यति, और चरण के अंत में लघु-गुरु। 24 मात्रा (11-13) रोला की है।

58. उत्तर (ग) — छप्पय छह चरणों का विषम मात्रिक छंद है : पहले चार चरण रोला के और अंतिम दो उल्लाला के। दोहा + रोला से कुंडलिया बनता है।

59. उत्तर (क) — 'सुबरन' एक बार आया है पर तीन अर्थ देता है : कवि के लिए सुंदर वर्ण (अक्षर), व्यभिचारी के लिए सुंदर रूप-रंग और चोर के लिए सोना। एक शब्द के अनेक अर्थ होने से श्लेष है। 'च' की आवृत्ति से अनुप्रास भी है, पर मुख्य चमत्कार श्लेष का है।

60. उत्तर (क) — दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है। उपमेय – मुख, उपमान – मयंक, वाचक – सम, साधारण धर्म – मंजु मनोहर। चारों अंग होने से पूर्णोपमा है।

61. उत्तर (क) [A-4, B-1, C-2, D-3] — 'मनहुँ नीलमनि सैल पर...' – उत्प्रेक्षा ('मनहुँ' वाचक); 'चरण-कमल' – रूपक (चरण पर कमल का अभेद आरोप); हनुमान की पूँछ – अतिशयोक्ति (कारण से पहले कार्य); 'मनका' – यमक (माला का दाना और मन का)।

62. उत्तर (घ) — माधुर्य गुण श्रृंगार, करुण और शांत रस में आता है; इसमें कोमल वर्ण और समास-रहित पदावली होती है। रौद्र, वीर, वीभत्स और भयानक में ओज गुण होता है।

63. उत्तर (घ) — व्याकरण-विरुद्ध प्रयोग च्युतसंस्कृति दोष है। कानों को कठोर लगने वाले वर्ण श्रुतिकटुत्व, गँवारू शब्द ग्राम्यत्व और केवल शास्त्र-विशेष में प्रचलित शब्द अप्रतीतत्व दोष हैं।

64. उत्तर (ग) — गाँव गंगा की धारा में नहीं हो सकता, इसलिए मुख्यार्थ बाधित होता है और 'गंगा' से 'गंगा का तट' अर्थ लिया जाता है। मुख्यार्थ-बाध से संबद्ध अर्थ लेना लक्षणा है।

खंड-घ : हिंदी भाषा, बोलियाँ और देवनागरी

65. उत्तर (क) — पश्चिमी हिंदी की बोलियाँ : खड़ी बोली, ब्रजभाषा, हरियाणवी, बुंदेली, कन्नौजी। बघेली पूर्वी हिंदी की बोली है (अवधी और छत्तीसगढ़ी के साथ)।

66. उत्तर (ग) [A-4, B-3, C-1, D-2] — शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिंदी (और राजस्थानी, गुजराती), अर्धमागधी से पूर्वी हिंदी, मागधी से बिहारी (और बांग्ला, ओड़िया, असमिया) तथा महाराष्ट्री से मराठी का विकास माना जाता है।

67. उत्तर (क) — अनुच्छेद 351 में हिंदी के विकास-प्रसार का निर्देश है। अनुच्छेद 343 संघ की राजभाषा (देवनागरी में हिंदी) से संबंधित है, 345 राज्यों की राजभाषा से और 348 न्यायालयों तथा अधिनियमों की भाषा से।

68. उत्तर (ख) — सही क्रम : ब्राह्मी → गुप्त लिपि → कुटिल लिपि → (प्राचीन नागरी) → देवनागरी। देवनागरी ब्राह्मी की उत्तरी शैली से विकसित हुई है।

69. उत्तर (घ) — 'ड़', 'ढ़' उच्चारण में जीभ की नोक ऊपर उठाकर झटके से नीचे फेंकी जाती है, इसलिए ये उत्क्षिप्त व्यंजन हैं। 'र' लुंठित, 'ल' पार्श्विक और श, ष, स संघर्षी हैं।

70. उत्तर (क) — 'आग' संस्कृत 'अग्नि' से विकसित तद्भव शब्द है। इसका तत्सम रूप 'अग्नि' है।

खंड-ङ : हिंदी व्याकरण

71. उत्तर (घ) — जगत् + नाथ = जगन्नाथ। 'त्' के बाद नासिक्य 'न' आने पर 'त्' का 'न्' हो जाता है; अतः व्यंजन संधि है।

72. उत्तर (क) — पो + इत्र = पवित्र। 'ओ' के बाद भिन्न स्वर आने पर 'ओ' का 'अव्' होता है (पो → पव् + इत्र), यह अयादि संधि है। इसी तरह पौ + अक = पावक।

73. उत्तर (ख) [A-3, B-4, C-1, D-2] — प्रत्येक = प्रति + एक (इ → य्) – यण; नयन = ने + अन (ए → अय्) – अयादि; वनौषधि = वन + ओषधि (अ + ओ = औ) – वृद्धि; महेश = महा + ईश (आ + ई = ए) – गुण।

74. उत्तर (ख) — आजन्म = जन्म से लेकर। पहला पद 'आ' अव्यय है और पूरा पद क्रियाविशेषण की तरह आता है, इसलिए अव्ययीभाव समास है।

75. उत्तर (क) [A-3, B-1, C-2, D-4] — गगनचुंबी = गगन को चूमने वाला (कर्म तत्पुरुष); माता-पिता = माता और पिता (द्वंद्व); चरणकमल = कमल रूपी चरण (कर्मधारय); लंबोदर = लंबा है उदर जिसका, अर्थात गणेश (बहुव्रीहि)।

76. उत्तर (घ) — अभ्यागत = अभि + आ + गत; इसमें 'अभि' और 'आ' दो उपसर्ग हैं। अनुशासन (अनु), प्रख्यात (प्र) और उपकार (उप) में एक-एक उपसर्ग है।

77. उत्तर (ख) — कृत् प्रत्यय क्रिया-धातु से जुड़ते हैं, तद्धित प्रत्यय संज्ञा/विशेषण से। 'मिठाई' = मीठा (विशेषण) + आई, इसलिए तद्धित है। लड़ाकू (लड़ + आकू), पढ़ाई (पढ़ + आई) और चालक (चल् + अक) धातु से बने कृदंत हैं।

78. उत्तर (घ) — 'दही' पुल्लिंग है (दही खट्टा है)। 'आत्मा', 'सड़क' और 'चाय' स्त्रीलिंग हैं।

79. उत्तर (घ) — अलग होने का भाव होने पर 'से' अपादान का चिह्न है : पत्ते पेड़ से अलग होते हैं। शेष वाक्यों में 'से' साधन बताता है, इसलिए वहाँ करण कारक है।

80. उत्तर (ग) — अकर्मक क्रिया (चलना) का प्रयोग है, कर्म नहीं है और क्रिया भाव को प्रधान बनाती है; कर्ता के साथ 'से' लगा है। अतः भाववाच्य है।

81. उत्तर (घ) — 'परंतु' जैसे समानाधिकरण योजक से दो स्वतंत्र उपवाक्य जुड़े हों तो संयुक्त वाक्य होता है। (ख) और (घ) में आश्रित उपवाक्य हैं, इसलिए मिश्र वाक्य हैं; (ग) सरल वाक्य है।

82. उत्तर (क) — 'कि वह ईमानदार है' क्रिया 'जानता हूँ' का कर्म बनकर आया है (क्या जानता हूँ?)। कर्म या कर्ता का काम करने वाला आश्रित उपवाक्य संज्ञा उपवाक्य होता है; 'कि' इसका सामान्य संकेत है।

83. उत्तर (ग) — पीना (मूल) → पिलाना (प्रथम प्रेरणार्थक : कर्ता स्वयं दूसरे को पिलाता है) → पिलवाना (द्वितीय प्रेरणार्थक : किसी दूसरे के द्वारा पिलवाता है)।

84. उत्तर (ग) — शुद्ध रूप 'उज्ज्वल' है : उत् + ज्वल। संधि में 'त्' का 'ज्' होकर 'ज्ज्व' बनता है।

85. उत्तर (ख) — 'दर्शन' आदर के प्रयोग में बहुवचन की तरह आता है, इसलिए 'आपके दर्शन किए' शुद्ध है। 'अनेक' स्वयं बहुवचन है, 'अनेकों' गलत; 'मेरे को' के स्थान पर 'मुझे'; 'गाना' पुल्लिंग है, अतः 'गाना गाया'।

86. उत्तर (ग) — छूटा हुआ शब्द या अंश पंक्ति के ऊपर लिखकर नीचे '^' लगाया जाता है; इसे हंसपद, काकपद या त्रुटिपूरक चिह्न कहते हैं।

87. उत्तर (क) — 'जलद' (जल देने वाला) बादल का पर्याय है। नीरज, सरोज और राजीव कमल के पर्याय हैं।

88. उत्तर (क) — उत्कर्ष (उन्नति) का विलोम अपकर्ष (अवनति) है। 'उत्' और 'अप' उपसर्ग विपरीत अर्थ देते हैं।

89. उत्तर (घ) — पयोधर = पय (जल/दूध) को धारण करने वाला। जल धारण करने से 'बादल' और दूध धारण करने से 'स्तन' – दोनों अर्थ होते हैं।

90. उत्तर (घ) — प्रसाद = कृपा, प्रसन्नता या भोग; प्रासाद = महल, राजभवन। उच्चारण में थोड़े अंतर से अर्थ पूरी तरह बदल जाता है।

91. उत्तर (ग) — ग्रीवा = गर्दन; सु + ग्रीवा = सुग्रीव (सुंदर गर्दन वाला)। 'सुकंठ' का अर्थ मधुर कंठ (गले/स्वर) वाला होता है।

92. उत्तर (घ) — गूलर का फूल दिखाई नहीं देता, इसलिए 'गूलर का फूल होना' का अर्थ है – कभी दिखाई न देना या दुर्लभ होना।

खंड-च : संस्कृत साहित्य और व्याकरण

93. उत्तर (ग) [A-1, B-4, C-2, D-3] — कालिदास – कुमारसंभवम्; भवभूति – मालतीमाधवम्; दण्डी – काव्यादर्श (काव्यशास्त्र); भारवि – किरातार्जुनीयम्।

94. उत्तर (ग) — 'मेघदूतम्' पूरा मंदाक्रांता छंद में है (17 वर्ण : मगण, भगण, नगण, तगण, तगण + दो गुरु)। विरह-भाव के अनुकूल इसकी धीमी गति के कारण इसे दूतकाव्यों का आदर्श छंद माना गया।

95. उत्तर (क) — जगत् + ईशः = जगदीशः। स्वर परे होने पर 'त्' अपने वर्ग का तीसरा वर्ण 'द्' बन जाता है (जश्त्व संधि)।

96. उत्तर (ग) — मनः + रथः = मनोरथः। विसर्ग से पहले 'अ' हो और बाद में सघोष व्यंजन (र) हो, तो विसर्ग 'उ' बनकर 'अ' के साथ 'ओ' हो जाता है। यह विसर्ग संधि है।

97. उत्तर (घ) — नदी (ईकारांत स्त्रीलिंग) – षष्ठी : नद्याः, नद्योः, नदीनाम्। 'नदीषु' सप्तमी बहुवचन और 'नदीभ्यः' चतुर्थी/पंचमी बहुवचन है।

98. उत्तर (क) — लृट् (सामान्य भविष्यत्) : भविष्यति, भविष्यतः, भविष्यन्ति। 'भवतु' लोट्, 'अभवत्' लङ् और 'भवेत्' विधिलिङ् का रूप है।

99. उत्तर (ख) — 'पृथग्विनानानाभिस्तृतीयान्यतरस्याम्' के अनुसार 'विना' के योग में द्वितीया, तृतीया और पंचमी तीनों हो सकती हैं : रामं/रामेण/रामात् विना। सप्तमी नहीं होती।

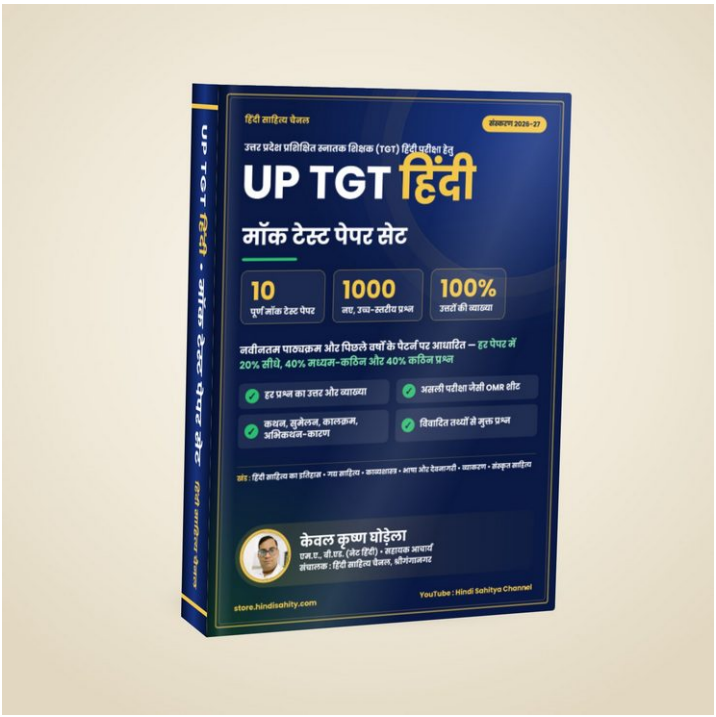
100. उत्तर (क) — कर्ता बहुवचन (छात्राः) है, इसलिए क्रिया प्रथम पुरुष बहुवचन (गच्छन्ति) होगी; गंतव्य स्थान कर्म है, अतः द्वितीया (विद्यालयम्)।

आपके नोट्स (गलत हुए प्रश्नों के तथ्य यहाँ लिखिए)

यह केवल नमूना है — पूरी ई-बुक में हैं 10 मॉक टेस्ट पेपर

UP TGT हिंदी : मॉक टेस्ट पेपर सेट (संस्करण 2026-27)





पूरी ई-बुक में क्या मिलेगा

- ✔️ 10 पूर्ण मॉक टेस्ट पेपर — कुल 1000 नए, उच्च-स्तरीय प्रश्न (कोई प्रश्न दोहराया नहीं गया)
- ✔️ हर पेपर के साथ असली परीक्षा जैसा OMR उत्तर-पत्रक, उत्तर-कुंजी और हर प्रश्न की व्याख्या
- ✔️ हर पेपर में 20% सीधे, 40% मध्यम-कठिन और 40% कठिन प्रश्न; कथन, सुमेलन, कालक्रम और अभिकथन-कारण वाले प्रश्न
- ✔️ छहों खंड : साहित्य का इतिहास, गद्य साहित्य, काव्यशास्त्र, भाषा-देवनागरी, व्याकरण और संस्कृत
- ✔️ विवादित तथ्यों से मुक्त, प्रामाणिक प्रश्न • 168 पृष्ठ • संस्करण 2026-27

पूरी ई-बुक (10 मॉक टेस्ट • 1000 प्रश्न) यहाँ से प्राप्त करें

store.hindisahity.com

सहायता के लिए WhatsApp : 9680260474

हिंदी साहित्य चैनल के अन्य नोट्स

पेपर हल करने के लिए धन्यवाद! तैयारी के लिए ये सामग्री भी देखिए

UP TGT हिंदी विशेष

- UP TGT हिंदी : संपूर्ण कोर्स (6 भाग + 100 प्रश्नों का मॉक टेस्ट)
- UP TGT हिंदी मॉक टेस्ट पेपर श्रृंखला (उत्तर और व्याख्या सहित)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संपूर्ण नोट्स

- आदिकाल संपूर्ण नोट्स
- भक्तिकाल संपूर्ण नोट्स
- रीतिकाल संपूर्ण नोट्स
- आधुनिक काल संपूर्ण नोट्स
- गद्य विधाएँ संपूर्ण नोट्स

MCQ प्रश्नोत्तरी (उत्तर व्याख्या सहित)

- आदिकाल प्रश्नोत्तरी (700+ MCQ)
- भक्तिकाल प्रश्नोत्तरी (1000+ MCQ)
- रीतिकाल प्रश्नोत्तरी (750+ MCQ)
- आधुनिक काल प्रश्नोत्तरी (2500+ MCQ)
- भारतीय काव्यशास्त्र (850+ MCQ)
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र (700+ MCQ)

UGC NET/JRF हिंदी विशेष

- पेपर 2 कंप्लीट कॉम्बो नोट्स (सभी 10 इकाइयाँ)
- टेस्ट सीरीज़ : 33 टेस्ट पेपर, 1500+ प्रश्न

आपकी परीक्षा के अनुसार कस्टम नोट्स — ऑर्डर पर तैयार

हमारी टीम RPSC, TGT, PGT, UPSC, NET/JRF सहित किसी भी परीक्षा के लिए आपके पाठ्यक्रम के अनुसार नोट्स तैयार करती है (सशुल्क सेवा)।

WhatsApp : 9680260474

hindisahity.com · store.hindisahity.com · YouTube : Hindi Sahitya Channel · Telegram